

much in advance of the actual proceedings. And only a line of Rs. 40,000 or so was imposed on the basis of the files which were scrutinised. Also, Sir, is it not a fact that upon a deposit of Rs. 40,000 by them, they were allowed foreign exchange allowance to enable the proprietor to go to Tokyo so that he could square up the accounts and the evasions? I would also like to know whether it is not a fact that to Home Insurance another company of this group. Rs. 20 lakhs were remitted.

SHRI K. C. PANT.: Sir I do not know about the visit to Japan by the proprietor of this particular firm. But I can say categorically that the case is not closed. Investigations are going on.

SHRI K. C. PANT : I fail to understand the

श्री जगत नारायण : जो इस क्वेश्चन का पार्ट (बी) है उसका जवाब दिया है कि इनवेस्टिगेट कर रहे हैं कि नेपाल गिफ्ट हाउस उन्होंने बनाया या नहीं, उसके साथ उनका ताल्लुक है या नहीं, तो मेरे पास न्यूयार्क टाइम्स की यह कटिंग है, उसकी फोटोस्टेट कापी है, जो यह साबित करती है कि वह, मंसम पहिलाज एंड कंपनी, हिस्सेदार हैं और उन्होंने ओपनिंग सेरीमनी इसकी की। यह उसकी फोटोस्टेट कापी मेरे पास है, यह सारा छपा हुआ है, यह वजीर साहब देख लें और देख कर के जवाब दें !

श्री के० सी० पन्त : जवाब क्या देना है, आप जो देंगे वह देख लेंगे।

श्री राजनारायण : श्रीमन्, यह इतना महत्वपूर्ण प्रश्न है, इस सभा में, इस सदन में कई बार उठ चुका है और मैं आपसे रिक्वेस्ट करूंगा कि इवेसिग उनर इसका मंत्रिमंडल के द्वारा नहीं दिया जाये, सही सही बतायें कि क्या कार्यवाही करेंगे, कब तक कार्यवाही करेंगे। मैं आपके जरिये चाहूंगा कि वह ऐसा करें। आप सरकार को इसके लिये ज़रा बाध्य करें।

excitement. I have said that investigations are in progress. If there is any other information, certainly it must be welcome.

'B TWILL GUNNY BAGS'

*654. SHRI R. P. KHAITAN : Will the Minister of WORKS, HOUSING AND SUPPLY be pleased to state:

(a) the total quantity and the price of 'B Twill Gunny Bags' purchased by D.G.S. & D. from April to October, 1967 (month-wise); and

(b) the month-wise delivery of the bags during this period ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF WORKS, HOUSING AND SUPPLY (SARDAR IQBAL SINGH) : (a) and (b) A statement is laid on the Table of the Sabha.

STATEMENT

(a) The required information is asunder :—

(b) The delivery periods given in the

Month	Quantity in Bales	Total price
		Rs.
April . . .	30,3000	1,56,60,997.50
May . . .	12,900	65,00,422.50
June . . .	27,850	1,30,83,384.00
July . . .	13,184	6,089,774.25
August . . .	35,900	1,60,96,405.50
September . . .	42,119	1,90,31,111.50
October . . .	35,650	1,67,07,360.50
TOTAL . . .	1,97,903	9,31,69,455.75

contracts are with reference to the dates on which stores are offered for inspection. Flic Quantities inspected and accepted each month

The Quantities shown above also include stores inspected and accepted during April-October 1967

Month	Quantity in Bales
April	33,350
May	3,400
June	2,24,700
July	10,534
August	29,300
September	35,119
October	30,996

against orders placed earlier than April, 1967.

श्री आर० पी० खेतान : यह जो स्टेटमेंट दिया गया है इसमें जो जून महीने में इंस्पेक्ट किया गया वह 2,24,700 बेल्ट्स बताया गया है जब कि सारे महीने में कुल 1,97,903 बेल्ट्स खरीदा गया है तो फिर क्या कारण है कि 2,24,700 बेल्ट्स का इंस्पेक्शन हुआ है। और दूसरा यह है कि जब कि आई०एस०आई० मार्क का माल मिलता है, जब कि विदेशों में उस मार्क का माल लिया जाता है तो अलग से इंस्पेक्शन को रखने की क्या जरूरत है, इस कारण से जो इंस्पेक्टर जाते हैं वे क्या इन्फॉर्मियर फ़ाक्ट्री के माल को भी पास कर देते हैं।

सरदार इकबाल सिंह : जहाँ तक इस बात का ताल्लुक है कि 2,24,700 बेल्ट्स इंस्पेक्ट किया तो यह तो इंस्पेक्ट किया गया, चीज यह है कि पहले से बहुत सा जूट गुड्स परचेज करते हैं और जो इंस्पेक्ट किया जाता है वह इस ढंग से किया जाता है कि हिन्दुस्तान में कितना अनाज आता है और किस किस जगह से आता है तो उस उस जगह जूट के बैग्स बंदरगाहों में पहुँचा सकें, इसलिये इंस्पेक्शन और परचेज का कोई उस किस्म का ताल्लुक नहीं है, इंस्पेक्शन इस ढंग से की जाती है कि कितने की जरूरत है और उस जगह पहुँचाने के लिये कितनी देरी लगनी है। जहाँ तक इस बात का ताल्लुक है कि कितनी इंस्पेक्ट की गई, कितनी परचेज की गई और उसकी कितनी कीमत दी गई है, उसका एक एक महीने का हमने स्टेटमेंट में दे दिया है। अब जहाँ तक इंस्पेक्टरों का ताल्लुक है, अगर माननीय सदस्य कोई शिकायत इस सिलसिले में देंगे तो जरूर इन्क्वायरी करेंगे और एक्शन लेंगे।

श्री आर० पी० खेतान : जब यह बताया है कि 1,97,903 गांठें परचेज की गई हैं तो यह हो नहीं सकता है कि 2,24,700 गांठों का इंस्पेक्शन हो। यह हो नहीं सकता कि इतने का इंस्पेक्शन हो। कहीं न कहीं, कुछ न कुछ गलती है, इसको मंत्री जी देखें और बतायें।

सरदार इकबाल सिंह : जो इन्फॉर्मेशन हमें कलकत्ते से आई है वह मैंने दी है, उसके मुताबिक अगर आप फिर कहेंगे तो मैं इसमें देख सकता हूँ।

MEDICAL COLLEGE FOR SOUTH INDIANS IN DELHI

*6YJ SHRI BHUPINDER SINGH : Will the Minister of HEALTH, FAMILY PLANNING AND URBAN DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) Whether Government attention has been drawn to the news item published in the Times of India (Delhi edition), dated 21st September, 1967 in which he is reported to have told Press correspondents at Madras that a Medical College, mainly for the children of South Indian employees, would be opened in Delhi;

(b) if so, the details of the proposed college; and

(c) Whether Government propose to open such separate college in Delhi for the people of other regions?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEALTH, FAMILY PLANNING AND URBAN DEVELOPMENT (SHRI B. S. MURTHY) : (a) and (b) The news item referred to in the question did not appear in the Delhi edition of the Times of India dated the 21st September 1967. Such news regarding the establishment of a Medical College in Delhi, mainly for South Indian students, if published elsewhere, is not correct.

A proposal, however, to start a new Medical College in Delhi, is under the consideration of Government.

(c) Does not arise.

SHRI BHUPINDER SINGH : Sir, this news item was published in the "Times of India" on 21st September, 1967 and it was not contradicted. Such news, if left uncontradicted creates a lot of misunderstanding about the Government's intentions.

DR. S. CHANDRASEKHAR : Sir the news item did not appear at all in the paper.

SHRI BHUPINDER SINGH : Sir in answer to a question in the other House, the Minister of Health stated that a good number of First Class students could not get admission in the Delhi Medical Colleges, If that is so, does the Government propose to open any new general medical college or expand the existing medical colleges?

DR. S. CHANDRASEKHAR : Sir as I has been already said there is a proposal before the Government of starting a new medical college under the Delhi Administration.